# मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना | By Mukesh Bagda

मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना
मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना
जाऊं जिस गली में मोहे मिल जाए कान्हा
मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना

बोली कन्हैया ज़रा मटकी उठा दे
धीरे से बोले गौरी मुखड़ा दिखा दे
दइया री दइया उनका ऐसा बतियाना
मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना

मुख से उठाया मेरा घूंघट मुरारी
छोड़ आई गगरी मैं तो लाज के मारी
छेड़े है सहेली मोहे मारे है ताना
मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना

मैया यशोदा तेरा लाल है अनाड़ी
फाड़ दई चोली मेरी चुनर साडी
लड़ेगी जिठानी मोहे मारेगी ताना
मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना

मटकी भी फोड़े कान्हा माखन भी खाये
बंसी की धुन पे सारे ब्रिज को रिझाये
दिल है बिहारी मेरे श्याम का दीवाना
मुश्किल हुआ रे मेरा पनघट पे आना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b2-%e0%a4%b9%e0%a5%81%e0%a4%86-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a4%98%e0%a4%9f-%e0%a4%aa/